

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ज्य-खण्ड (1) PART II—Section 3—Sub-section (1) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं . 533] नई विल्ली, बुधवार, विसम्बर 12, 1990/प्रग्रहायण 21, 1912 No. 533] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 12, 1990/AGRAHAYANA 21, 1912

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग सकालन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

(पत्तन पक्ष)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1990

मा. का. ति. 946(ग्र).--केन्द्रीय मरकार, भारतीय पत्तन ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए,

कोचीन पंसन पायलटेज और ग्रन्य सेवाएं (शुल्क) ग्रादेश, 1977 का निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रर्थात् :---

- 1. (1) इस ब्रादेण का संक्षिप्त नाम काचीन पत्तन पायलटेज और ब्रन्य सेवाएं (शुल्क) संगोधन ब्रादेश, 1990 है।
- (2) यह राजपव में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- 2. कोचीन पत्तन पायलटेज और ग्रन्य सेवाए (गुल्क) श्रादेश. 1977 की श्रनुसूची में "I. पायलटेज श्ल्क" शीर्पक केनीचे निम्निलिखित टिप्पण अंत में जोड़े जाएंगे, श्रर्थात् :---
- कौचीन पत्तन में प्रवेश करने वाले सहायक इंजनों से युक्त चलत जलयातों की बाबत पायलटेंज गुल्क पोतों की लागू दर पर प्रभारित किया जाएगा ।
 - 2. राक्षि पायलटेज उप-संरक्षक के विवेकानुसार किया जाएगा।
- 3. उस जलयान पर जिसकी मुविधा के लिए पार्श्वेस्थ-बर्ध या बर्थों की उस विधिष्ट बर्थ पर हैडिल किए जीने वाले स्थोरी की प्रकृति के कारण या किसी अन्य कारण से रिका रखा जाता है, इस प्रकार रिक्त रखें गए प्रत्येक बर्थ के लिए श्राविरिक्त पायलटेज गुल्क विशिष्ट जलयान को लागू दर पर प्रभारित किया जाएगा ।
- 4 पत्तन सीमाओं तक केवल एक तरका पायलटेज का लाभ उठाते हुए कोचीन शिवयाई में निर्मित जलयानों पर मद 1 में वर्णित पायलटेज शुल्क का 50 प्रतिशत प्रभारित किया जाएगा।

[पी श्रार-14011/33/89-पी जी] श्रणोक जीणी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी:---मूल ग्रधिसूचना भारत के राजपत्र में सा. का. नि. 639(ग्र) दिनांक 13 ग्रक्तूबर, 1977 द्वार प्रकाणित हुई थी, जिसमें बाद में निम्नलिखित हारा संशोधन किए गए थे:---

- (1) सा. का. नि. सं. 683(म्र) दिनांक 5 नधम्बर, 1977
- (2) स . का. ति. सं. 1225 दिनांक 22 मितम्बर, 1978
- (3) सा. का. नि. सं. 22 दिनाक 14 दिसम्बर, 1981
- (4) सा. का. नि. सं. 574(ग्र) दिनांक 22 मितम्बर, 1982
- (5) सा. का. नि. सं. 649(घ्र) दिनांक 5 सितम्बर, 1984
- (6) सा. का. नि. स. 533(ग्र) दिनांक 3 मई, 1988

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

ORDER

New Delhi, the 12th December, 1990

- G.S.R. 916 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following amendment—to the Cochin Port Pilotage and other Services (Fees) Order, 1977, namely:—
 - (1) This order may be called the Cochin Port Pilotage and Other Services (Fees) Amendment Order, 1990.
 - (2) It shall come into lorce on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Cochin Port Pilotage and Other Services (Fees) Order, 1977, under the heading "1. PILOTAGE FEE" the following Notes shall be added, at the end namely:—
 - In respect of sailing vessels fitted with auxiliary engines entering the Port of Cochin, pilotage fees shall be charged at the rate applicable to ships.
 - 2. Night Pilotage will be undertaken at the discretion of the Deputy Conservator.
 - 3. The vessel lon whose convenience adjacent berth or berths is or are kept vacant due to the nature of cargo to be handled at that particular berth or for any other reason shall be charged additional pilotage fees for each of the beith so kept vacant at the rate applicable to the particular vessel.
- 4. Vessels built at Cochin Shipyard availing of only one way pilotage to the port limits be charged 50 per cent of the pilotage tees mentioned in Item. I.

[PR-14011]53[89-PG]

4

Foot Note: Principal Notification published in the Gazette of India G.S.R. 639 (E), dated 13th October, 1977, subsequently amended by:-

- (i) G.S.R. No. 683 (E), dated 5 November, 1977.
- (ii) G.S.R. No. 1225 dated 22 September, 1978.
- (iii) G.S.R. No. 22 dated 14 December, 1981.
- (iv) G.S.R. No. 574(E), dated 22 September, 1982.
- (v) G.S.R. No. 649(E), dated 5 September, 1984.
- (vi) G.S.R. No. 533(E), dated 3 May, 1988: